SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS: B.A. Part I st (Hons.), PAPER: II nd, UNIT: IV th

TOPIC: JAPAN - FISHERIES

BY:— Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geography
D. B. College, Jaynagar, Madhubani, L.N.M.U., Darbhanga.
(Email:- sanjaykumar.phd@gmail.com)

LECTURE No. 32

मछली जापान के निवासियों का मुख्य भोजन है। आज भी 20% जनसंख्या का भोजन मछलियों द्वारा प्राप्त होता है। विश्व के किसी भी देश में उत्पादन का इतना बड़ा भाग मछलियों पर निर्भर नहीं है। यदि विश्व के मछली उत्पादन तथा खपत दोनों पहलुओं का अध्ययन करें तो एक ओर जापान विश्व की मछली उत्पादन में वर्ष 2018 में 7 वें स्थान पर था जिसका कुल उत्पादन लगभग 4.4 मीलयन टन थातथा दूसरी ओर जापान विश्व की सबसे अधिक प्रति व्यक्ति मछलियों की खपत करता है।

जापान में मछलियो के कुल उत्पादन का लगभग 65% खपत कर लेता है तथा शेष 35% का निर्यात कर दिया जाता है। जापान में इतना अधिक मत्स्य उत्पादन होने के निम्न कारण है:—

→ कृषि-भूमि की कमी एवं जनसंख्या की अधिकता के कारण जापान के निवासियों को अपनी उदर पूर्ति के लिए समुद्रों की ओर अग्रसित होना पड़ा।

→ जापान की सामुद्रिक स्थिति होना, अधिकांश तटकटा-फटा होना, शीतोष्ण जलवायु का होना,

→ अत्यधिक मछलियों की खपत तथा निर्यात के कारण जापान में मछलियों का उत्पादन बहुत अधिक किया जाता है।

→ आधुनिक वैज्ञानिक यन्त्रों, नवीन आविष्कारों तथा विकसित ट्रॉलरों के प्रयोग से मत्स्य-उत्पादन में वृद्धि हुई है।

→ जापान में उत्पन्न मछलियों की माँग विश्व के अनेक देशों में है।

Scanned with CamScanner

⇒ मत्स्य-भण्डार (Fishmass)—
जापान में मिलने वाली समस्त मछलियों का भण्डार तीन प्रधान जल राशियों में बँटा हुआ है :-

① ठण्डा जल भण्डार (Cold Water Mass)— ठण्डी जल राशि में पकड़ी जाने वाली मछलियों का भण्डार होकैडो द्वीप के आसपास जापान सागर के उत्तरी भाग में स्थित है। इस क्षेत्र में पकड़ी जाने वाली मुख्य मछलियाँ हेरिंग, सी-वीड, केकड़े तथा सामन हैं।

② गर्म जल भण्डार (Warm Water Mass)— गर्म जलराशि में पकड़ी जाने वाली मछलियों का भण्डार मध्य और दक्षिणी हॉन्शू तथा शिकोकू के आसपास जापान सागर के दक्षिणी भाग में स्थित है। इस क्षेत्र में पकड़ी जाने वाली मुख्य मछलियाँ सारडाइन, ट्यूना, मैकरेल, अलबाकोर, सीब्रीम, यलो टेल इत्यादि हैं।

③ मिश्रित जल भण्डार (Mixed Water Mass)— उत्तरी हॉन्शू द्वीप के पास ठण्डी तथा गर्म धाराएँ आकर मिलती है इसलिए यहाँ अनेक मछलियों के भण्डार है। इस जल राशि का भण्डार उत्तरी हॉन्शू के निकट समुद्री भाग में स्थित है। इस क्षेत्र में पकड़ी जाने वाली मुख्य मछलियाँ कटल, स्किवड तथा स्पीकर है।

⇒ मुख्य मछली उत्पादन क्षेत्र —

① होकैडो क्षेत्र (Hokaido)- प्रमुख मछली पकड़ने वाले केन्द्र हैंकोडेट, ओटारू, सयोरो, वकाना तथा अबाशिरी है।

② उत्तरी-पूर्वी हॉन्शू क्षेत्र (North eastern Honshu Region)- प्रमुख मछली पकड़ने के केन्द्र हैचीनोही, अकीता, ओमोरी, सेडांई, कैमेशी, कैसेंनुमा, मियाको, नीगाटा, दना, शिओंगामा, ईशीनोमाकी, इत्यादि है।

③ क्यूशू, शिकोकू तथा दक्षिणी हॉन्शू क्षेत्र- प्रमुख मछली उत्पादन केन्द्र ओतासी, टोबात, फुकोका, नागासाकी, टकामात्सू, शिमोनोसकी, इत्यादि हैं।

(Japan - Fisheries) Cont.... (Page : 02)

Scanned with CamScanner

⇒ जापान के मत्स्य-उद्योग का उत्पादन, वर्ष 2010 से 2018 तक.

(1000 टनों में)

Production volume of the fishing industry in Japan from 2010 to 2018 (in 1,000 tons) -

YEAR	Production volume in thousand tons
2018*	4389
2017	4306
2016	4359
2015	4631
2014	4765
2013	4792
2012	4864
2011*	4765
2010	5313

(Source :- Statista Research Department, Sep. 30, 2019.)

आधुनिक युग में मछलियों के अनेक और भी रूप सामने आ गये हैं। इससे मछली उत्पादन में और भी वृद्धि हुई है। आज जापान मछलियों का प्रयोग केवल मनुष्य के भोजन के रूप में ही नहीं बल्कि खाद, दूध प्रदान करने वाले पशुओं के लिए खली तथा मुर्गियों के लिए भोजन के रूप में करता है। ह्वेल मछलियों का तेल निकालकर जापान इसका निर्यात करता है। अब जापान अमरीका, ग्रेट ब्रिटेन, नार्वे आदि देशों के साथ मिलकर बड़े-बड़े स्टीमरों की सहायता से आर्कटिक महासागर में ह्वेल मछली का शिकार करता है।

— X — X — X — X —

Scanned with CamScanner